सार-समाचार

श्याम सरोवर बस्ती का हिन्दू सम्मेलन

भरतपुर (निस)। श्याम सरोवर बस्ती का हिन्दू सम्मेलन स्थानीय कृष्णा बी.एड. कॉलेज, मथुरा रोड, भरतपुर में गम्भीर सिहं तुहिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विचार परिवार से राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ भरतपुर के विभाग शारीरिक शिक्षण प्रमुख कृपाल रहे। सम्मेलन में मुख्य वक्ता ने हिन्दू एकता पर बल देते हुए कहा कि हिन्दू संस्कृति पुरातन संस्कृति है, अनेकों मुगल आक्रान्ताओं ने हमारे देश पर आक्रमण किया तथा हमारी संस्कृति को समाप्त करने की चेष्टा की परन्तु वह सभी असफल रहे। पूर्व में समाज के बन्धुओं द्वारा हमारी हिन्दू सनातन संस्कृति को बचाने हेतु अपने प्राणों का बलिदान दिया। सामाजिक समरस्ता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण सुरक्षा, स्व का बोध, नागरिक कर्तव्य जैसे पंच प्रण को अपने जीवन व्यवहार में उतारने का समय है। परिवार व समाज में पाश्चात्य संस्कृति के दुष्प्रभाव देखने को मिल रहे है। परिवार में आपस में सामन्जस्य ना होने के कारण परिवार टूटन की दशा देखने को मिलती है। अतः समय रहते परिवार के सदस्यों के साथ मंगल भजन एवं मंगल भोजन की व्यवस्था करनी चाहिए। हमारा समाज जोकि अपने मूल तत्व हिन्दूत्व को भूलकर विभिन्न जातियों में विभाजित होकर रह गया है उसके मध्य आपसी समझ के माध्यम से एकरुपता का प्रयास करना चाहिए ताकि विध्वंशकारी शक्तियॉ समाज को विघटित न कर सकें। हमारे भरतपुर जिले के मेवात क्षेत्र में हिन्दुओं की स्थिति चिन्ताजनक है। अतः ऐसा भरतपुर के अन्य क्षेत्रों में न हो इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। हमारे इतिहास के विषय में देखा जाये तो महाराजा सूरजमल जी द्वारा हिन्दू धर्म की रक्षा हेतु भरपूर प्रयास किये। कार्यक्रम में संत समाज के रुप में मोहनदास महाराज ने आर्शीवचन प्रदान किया। महिला उपाध्यक्ष के रुप में वेदवती आर्य ने समाज प्रबोधन दिया। कार्यक्रम में वीरमाता सम्मान, कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर समाजसेवी भागीरथ सिहं, आयोजन समिति के उपाध्यक्ष बालमुकुन्द, हेमेन्द्र सिहं, धर्मसिहं, कोषाध्यक्ष सिद्वान्त, एडवोकेट विक्रान्त सिहं सहित अनेकों हिन्दू समाज के महिला एुव पुरुषों ने अपनी भागीदारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन रणधीर सिहं ने किया। कार्यक्रम का समापन प्रसादी वितरण के साथ हुआ।

वाणी प्रदूषण संस्थान की गोष्ठी में जाट शासकों को नमन

भरतपुर (निस)। वाणी प्रदूषण संस्थान के तत्वावधान में भरतपुर स्थापना सप्ताह के 293वें उत्सव के संदर्भ में गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें राजा बदनसिंह, महाराजा सूरजमल, महाराजा किशन सिंह तथा महाराजा सवाई बृजेन्द्र सिंही, महाराजा जसवंत सिंह, महाराजा जवाहर सिंह को स्मरण किया गया। उनके द्वारा भरतपुर स्टेट में स्थापित आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों पर डॉ. प्रेमसिंह कुंतल एवं ओमप्रकाश आजाद के द्वारा प्रकाश डाला गया। भरतपुर स्टेट बृज संस्कृति एवं कृष्ण भक्ति का केन्द्र था। मथुरा, वृन्दावन, गोवर्धन एवं कामां को आध्यात्मिक केन्द्र, जाट शासकों ने ही बनाया। भरतपुर की एक बहुत पुरानी इच्छा थी कि भरतपुर में ब्रज मण्डल संस्कृति-कला केन्द्र हो, जिससे ब्रज क्षेत्र की ब्रजभाषा जो कि श्रीकृष्ण भगवान की अमृतमयी भाषा थी, उसका प्रचार-प्रसार एवं संरक्षण हो। ब्रज संस्कृति के ब्रज रसिया, ख्याल दंगल, कालवेलिया नृत्य, ब्रज मयूर नृत्य, रासलीला, रामलीला, बम्ब पार्टी, माखन हंडिया, स्वांग, भपंग गायन, ढोलामारू गायन एवं नौटंकी आदि कला और विधाओं का प्रचार प्रसार एवं संरक्षण हो। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट 2026-27 में 100 करोड की लागत से ब्रज कन्वेंशन सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। इस हेतु हम वाणी प्रदूषण मुक्ति संस्थान के सदस्य ओमप्रकाश आजाद, डॉ. प्रेमसिंह कुंतल, राकेश फौजदार, डॉ. शिव कुमार, उमाशंकर वशिष्ट, शिव कुमार गुप्ता, कपिल फौजदार, देवेन्द्र चामड आदि ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार प्रकट किया तथा साधुवाद दिया।

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि

भरतपुर (निस)। लायंस क्लब भरतपुर रॉयल्स द्वारा पुलवामा में वर्ष 2019 में हुए जघन्य आतंकी हमले की सातवीं पुण्यतिथि पर किला स्थित शहीद स्मारक पर वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर जवानों को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया तथा उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। क्लब संरक्षक विनोद सिंघल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुलवामा के वीर जवानों का बलिदान सदैव राष्ट्रवासियों के हृदय में अमिट रहेगा। उनका त्याग हमें राष्ट्रसेवा, एकता और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष बी एम गुप्ता, जॉन चेयरपर्सन मंजू गुप्ता सचिव रमेश वर्मा, उपाध्यक्ष सत्यव्रत आर्य, सयुंक्त सचिव जयकिशन एडवोकेट राहुल सिंह, अमित खंडेलवाल, कमलेश जिंदलकविता वर्मा, ज्योति आर्य गौरव गोयल सहित बड़ी संख्या में लायन सदस्यों ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अंत में सभी ने भारत माता की जय एवं जय हिंद के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

चिकित्सा संस्थानों में व्यवस्थाओं की जांच

करौली । निदेशक जन स्वास्थ्य के निर्देशानुसार जिलेभर में चिकित्सा संस्थानों का जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की प्रविष्टि ऑडीके ऐप पर ऑनलाइन दर्ज की गई। सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीणा ने सीएचसी लांगरा एवं उप जिला अस्पताल मंडरायल का निरीक्षण कर दवाओं की उपलब्धता, समय पर खुलने एवं कार्मिक उपस्थिति की जांच की। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. सतीश चंद मीणा ने पीएचसी बनेगा व कोटा छाबर तथा डॉ. ओमप्रकाश महावर ने पीएचसी महोली व चैनपुर बार्रिया का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विधायक धन्यवाद बैज से सम्मानित

करौली। करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर को राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा आयोजित राज्य प्रशिक्षण केंद्र जयपुर समारोह में धन्यवाद बैज से सम्मानित किया गया। राजस्थान के राज्यपाल ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। समारोह में राज्यपाल ने भारत स्काउट गाइड संगठन को बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का अग्रणी संगठन बताया। सीओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि विधायक द्वारा स्काउट गाइड गतिविधियों के विस्तार एवं आर्थिक सहयोग के लिए उन्हें चयनित किया गया। पंचायती राज मंत्री ओटाराम देवासी ने भी संगठन को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

पुष्पेन्द्र मीना बने सह-अध्यक्ष

करौली। राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी अध्यक्ष द्वारा पीसीसी वॉर रूम टीम का गठन किया गया है। इस टीम में करौली निवासी पुष्पेन्द्र मीना को सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह वॉर रूम संगठनात्मक गतिविधियों की मॉनिटरिंग, डिजिटल रिपोर्ट विश्लेषण एवं एआईसीसी निर्देशों के समन्वय का कार्य करेगा। नियुक्ति पर जिला कांठोस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

विवाह समारोह में नकदी व आभूषण चोरी

जयपुर/करौली। पुलिस थाना शिवदासपुरा में विवाह समारोह के दौरान नकदी एवं सोने-चांदी के आभूषण चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है प्रार्थी नितिन करोल ने रिपोर्ट में बताया कि 7 फरवरी को चंदन वन गार्डन, जगतपुरा में आयोजित समारोह के दौरान लगभग 3 से 4 लाख रुपये की नकदी एवं कीमती आभूषण चोरी हो गए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। अनुसंधान हेड कांस्टेबल राकेश कुमार को सौंपा गया है। यदि आप चाहें तो मैं इन सभी खबरों के लिए आकर्षक शीर्षक (हेडलाइन), उपशीर्षक और फोटो कैप्शन भी अलग से तैयार कर सकता हूँ।

मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया

भरतपुर (निस)। मथुरा प्रसाद पोद्दार माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर कौड़ियान मोहल्ला भरतपुर में मातृ पितृ पूजन दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसमें विद्यालय के भैया बहनों ने अपने माता-पिता दादी का तिलक लगाकर माला पहनाकर तथा आरती कर तथा विद्यालय के आचार्य आचार्या का भी पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन मातृ पितृ पूजन दिवस के महत्व तथा मनाने का उद्देश्य पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता शर्मा तथा सह प्रधानाचार्या मंजू शर्मा ने प्रकाश डाला।

राजस्व वसूली, स्मार्ट मीटर व योजनाओं की प्रगति पर जोर

- डिस्कॉम कार्यालय में सहायक अभियन्ता ने की समीक्षा बैठक

सरमथुरा। शुक्रवार को स्थानीय डिस्कॉम कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अधीक्षण अभियंता गोविंद सिंह के निर्देशानुसार बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एईएन पीएस जादौन ने बकाया राजस्व वसूली, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं के निस्तारण, लंबित विद्युत कनेक्शन, पीएम सूर्यघर सोलर योजना, स्मार्ट मीटर स्थापना, डीसी-पीडीसी प्रकरणों तथा वीसीआर मामलों की विस्तृत बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान बकाया राजस्व वसूली अभियान को विशेष प्राथमिकता दी जाए। बडे बकायेदारों की सूची तैयार कर उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए तथा आवश्यकतानुसार विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

साथ ही राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों एवं परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता के साथ उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

लंबित विद्युत कनेक्शनों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आवश्यक तकनीकी निरीक्षण, लाइन विस्तार एवं दस्तावेजी प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर संयंत्र स्थापना की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

अधीक्षण अभियंता ने लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने, तकनीकी स्वीकृतियों में तेजी लाने तथा अधिक से अधिक पात्र उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई। स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन कार्य में तेजी लाई जाए। उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के लाभों - जैसे सटीक बिलिंग, पारदर्शिता एवं रियल टाइम मॉनिटरिंग - के बारे में जागरूक किया जाए। स्थापना कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए। डीसी-पीडीसी मामलों एवं वीसीआर प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी मामलों का नियमानुसार त्वरित निस्तारण कर विभागीय राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित की जाए तथा अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए।

बैठक के अंत में एईएन पीएस जादौन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाने, बिजली चोरी रोकने व समन्वय के साथ कार्य करने तथा शासन की योजनाओं को प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित करने का आव्हान किया। बैठक में एआरओ दिलीप , जेईएन हरिओम शर्मा, शिव सिंह मीणा सहित कर्मचारी उपस्थित रहे। उपखण्ड क्षेत्र में विद्युत सम्बन्धी समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शांतिपूर्ण माहौल में शुरु

- थानाधिकारी सोहन सिंह गुर्जर ने पुलिस जाब्ते के साथ सभी परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण
- केंद्र अधीक्षक शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा निर्धारित समय पर शांतिपूर्ण ढंग शुरु हुई

सूरौठ । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुक्रवार से शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित माहौल में प्रारंभ हो गईं। सूरौठ तहसील क्षेत्र में बनाए गए चार परीक्षा केंद्रों पर कुल 966 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 960 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 6 विद्यार्थी अनुपस्थित पाए गए। पहले दिन परीक्षा केंद्रों पर उत्साह और गंभीरता का वातावरण देखने को मिला।

परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर ने पुलिस जाब्ते के साथ सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया व शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने केंद्र अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परीक्षा को निष्पक्ष, नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। केंद्रों के बाहर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, जिससे अभिभावकों और विद्यार्थियों में विश्वास का माहौल बना रहा।

तहसील क्षेत्र के विभिन्न केंद्रों की स्थिति इस प्रकार रही- विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय में कुल 122 विद्यार्थी पंजीकृत थे और सभी 122 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। केंद्र अधीक्षक मणिकांत गुप्ता ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सूरौठ में इस वर्ष पहली बार परीक्षा केंद्र बनाया गया। यहां कुल 211 विद्यार्थियों में से 210 उपस्थित रहे तथा 1 विद्यार्थी अनुपस्थित रहा, केंद्र अधीक्षक एमडी भावना एवं अतिरिक्त केंद्र अधीक्षक वीरेंद्र पाराशर ने व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया, इंदिरा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 202 में से 200 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि 2 विद्यार्थी अनुपस्थित पाए गए। केंद्र अधीक्षक शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा निर्धारित समय पर प्रारंभ होकर शांतिपूर्ण ढंग से चली, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरौठ में 431 में से 428 विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा 3 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। केंद्र अधीक्षक सोहन सिंह मीणा ने बताया कि सभी व्यवस्थाएं पूर्व निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप रहीं, परीक्षा के पहले दिन सभी केंद्रों पर अनुशासन, पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की सतर्कता के चलते परीक्षाएं सुचारू रूप से प्रारंभ हुईं। स्थानीय अभिभावकों ने भी प्रशासन की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

महाराजा सूरजमल की जयंती मनाई

जुरहरा, भरतपुर (निस)। जुरहरा कस्बा क्षेत्र के ठााम बादीपुर की गौशाला पर शुक्रवार को जाट समाज के अध्यक्ष भगवानसिंह फौजदार की अध्यक्षता, नेमसिंह फौजदार के मुख्य आतिथ्य व जुरहरा तहसीलदार मोहनलाल सियोल के विशिष्ट आतिथ्य में महाराजा सूरजमल की जयंती हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई।

महाराजा सूरजमल की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के तहत भगवानसिंह फौजदार व उपस्थित कामां-पहाड़ी के 25 गांवों की जाट सरदारी के द्वारा महाराजा सूरजमल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रंद्धाजलि दी गईं।

कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध वक्ताओं के द्वारा समाज में व्याप्त बुराइयों और कुरीतियों पर रोक लगाने का आ ान किया गया। जाट समिति के सदस्य गजेन्द्र जाट जुरहरा ने बताया कि महाराजा सूरजमल जयंती के अवसर पर क्षेत्र के सभी गांवों की जाट सरदारी से गणमान्य लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

भंडारे में उमड़ा भक्तों का सैलाब

- करीब 25 हजार श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी
- 200 पीपा देशी घी से 100 हलवाइयों ने तैयार की गई केसर की खीर, पुआ, सब्जी और अन्य व्यंजन
- श्रद्धालुओं को पंगत में बैठाकर विधिवत पत्तल और दोने में प्रसाद परोसा

डीग भरतपुर (निस)। ब्रज अंचल के प्रसिद्ध श्री जटेरी धाम में आयोजित श्री निकुंज विलास रस महोत्सव एवं श्रीमद्भगवद् रस चर्चा का समापन श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातःकाल श्री राधा कुंज बिहारी लाल जी महाराज की महंत विपिन बिहारी दास के सानिध्य में की गई मंगलमय मंगला श्रृंगार आरती के साथ कार्यक्रमों की विधिवत शुरुआत की गई। इसके उपरांत श्री ठाकुर जी को बाल भोग अर्पित किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इसके उपरांत श्री जटेरी धाम में विशाल महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया। यह भंडारा महंत विपिन बिहारी दास महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। भंडारे में 200 पीपा शुद्ध देसी घी से निर्मित केसर की खीर , पुआ , सब्जी प्रसाद सहित अनेक प्रकार के पारंपरिक व्यंजन परोसे गए , जिनका सर्व प्रथम श्री राधा कुंज बिहारी लाल जी सरकार को भोग अर्पित किया गया। भंडारे की शुरुआत कुंज बिहारी श्री हरिदास के जयकारों तथा राधे-राधे के सामूहिक उद्घोष के साथ की गई, जिससे संपूर्ण धाम भक्तिरस में सराबोर हो उठा। इस अवसर पर कथा पंडाल को विशाल प्रसाद शाला के रूप में परिवर्तित किया गया। श्रद्धालुओं को पंगत में बैठाकर विधिवत पत्तल और दोने में प्रसाद परोसा गया। स्वयं महंत विपिन बिहारी दास महाराज ने सेवा भाव का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भक्तों के बीच जाकर विभिन्न पकवानों की थाली लेकर प्रसाद वितरण किया। आयोजकों के अनुसार इस विशाल महाप्रसाद भंडारे में लगभग पच्चीस से तीस हजार श्रद्धालु भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बावजूद व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहीं, जिससे सभी भक्तों ने शांतिपूर्वक प्रसाद प्राप्त किया। महंत विपिन बिहारी दास महाराज ने श्री निकुंज विलास रस महोत्सव एवं श्रीमद्भगवद् रस चर्चा के सफल एवं सुखद आयोजन में सहयोग देने वाले समस्त कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया

भरतपुर (निस)। जघीना गेट स्थित संत आशाराम बापूजी आश्रम पर योग वेदांत सेवा समिति के तत्वाधान में मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया गया कार्यक्रम में सेकडो की संख्या में बच्चे अपने माता पिता के साथ उपस्थित होकर माता पिता का पूजन किया इस अवसर पर बच्चे और माता पिता एक दूसरे के सानिध्य में भाव विभोर हो गए। समिति द्वारा पिछले कई दिनों से भरतपुर शहर के लगभग 25 से 30 स्कूल में सेवाधारियों ने जा जाकर मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया कार्यक्रम के बाद सभी प्रधानाचार्य ने भूरी भूरी प्रशंसा की कार्यक्रम में शिवा भाई दिनेश मेघश्याम रिंकू दिगंबर ने सहयोग किया।

छोटी नदियों के पुनरोद्धार के लिए यूपी टीम का करौली-धौलपुर दौरा

करौली, 13 फरवरी। छोटी नदियों के पुनरोद्धार एवं सामुदायिक सहभागिता आधारित जल संरक्षण मॉडल को समझने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत 35 जनपदों के जिला परियोजना अधिकारियों का दल करौली एवं धौलपुर के अध्ययन भ्रमण पर पहुँचा। यह भ्रमण 13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया । अध्ययन भ्रमण के प्रथम दिवस पर 'जलपुरुष' के नाम से प्रसिद्ध स्वयं टीम के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने महेश्वरा नदी के उद्गम स्थल पर पारंपरिक तालाबों, पोखरों एवं जोहडों की श्रृंखला का अवलोकन कराया और बताया कि वर्षाजल संचयन, जलधारण क्षमता वृद्धि एवं भूजल पुनर्भरण के माध्यम से सूखी धारा को भी पुनर्जीवित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नदी केवल एक स्त्रोत नहीं, बल्कि पूरे जलागम क्षेत्र का परिणाम होती है। वर्ष 2001 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार एवं 2015 में स्टॉकहोम वाटर प्राइज़ से सम्मानित उनके प्रयास देशभर में प्रेरणा बने हैं। टीम ने मासलपुर क्षेत्र में सैरानी नदी के पुनर्जीवन कार्यों का भी निरीक्षण किया। भ्रमण का नेतृत्व यूनिट हेड सोनालिका सिंह द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान का मॉडल सामुदायिक भागीदारी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रशासनिक इच्छाशक्ति का सफल उदाहरण है, जिसे उत्तर प्रदेश में अपनाया जाएगा।

551 मातृशक्ति ने कलश यात्रा निकाली

- संस्कृति, परिवार और राष्ट्रभाव का संदेश
- सेवर में प्रेरक सामाजिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन
- संयुक्त परिवार प्रणाली, पारिवारिक संवाद, साथ बैठकर भोजन करने तथा भजन-कथा की परंपरा को समाज की मजबूती का आधार
- अभिभावक सप्ताह में कम से कम दो दिन परिवार के साथ बैठकर भारतीय संस्कृति, हिंदू परंपराओं एवं गौरवशाली इतिहास पर चर्चा करें, ताकि आने वाली पीढी संस्कारवान और राष्ट्रिनष्ठ बने

भरतपुर (निस)। सेवर बस्ती स्थित बृजेंद्र बिहारी मंदिर प्रांगण में विराट हिंदू सम्मेलन के अंतर्गत एक भव्य सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्तियों, युवाओं, वरिष्ठजनों एवं समाजबंधुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सी. सतीश, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर प्रांत के ग्राम विकास प्रमुख रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पदमेश सोगरवाल ने की। मुख्य वक्ता ने भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रभाव पर प्रेरक उद्बोधन देते हुए कहा कि भारतीय जीवन पद्धित हमें प्रकृति, जीव-जगत और ईश्वर के प्रति सम्मान की भावना सिखाती है। उन्होंने संत नामदेव की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे संस्कार हमें प्रत्येक जीव में ईश्वर का वास देखने की प्रेरणा देते हैं। माता भूमि पुत्रो की भावना को भारतीय चेतना का मूल आधार बताते हुए उन्होंने संयुक्त परिवार प्रणाली, पारिवारिक संवाद, साथ बैठकर भोजन करने तथा भजन-कथा की परंपरा को समाज की मजबूती का आधार बताया। स्वास्थ्य और सामाजिक विषयों पर बोलते हुए उन्होंने स्वदेशी खानपान और भारतीय जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। दाल-बाटी-चूरमा जैसे पारंपरिक भोजन को स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताते हुए युवाओं से आधुनिक जीवनशैली में भी अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का आ ान किया। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने महाराजा सूरजमल के पराक्रम एवं बलिदान का स्मरण कराते हुए राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान की भावना जागृत करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई पंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धित है, जिसमें वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना समाहित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पदमेश सोगरवाल ने कहा कि बच्चों में मोबाइल की बढ़ती लत चिंता का विषय है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे सप्ताह में कम से कम दो दिन परिवार के साथ बैठकर भारतीय संस्कृति, हिंदू परंपराओं एवं गौरवशाली इतिहास पर चर्चा करें, ताकि आने वाली पीढ़ी संस्कारवान और राष्ट्रिनष्ठ बने। माही मेहनत समाज से किशन दास पंडा ने मातृशक्तियों से प्रत्येक घर में महापुरुषों और देशभक्तों के चित्र लगाने का आग्रह किया। वहीं महंत कल्याण सिंह ने कहा कि समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है और उनके संस्कार ही समाज की दिशा तय करते हैं।

सार-समाचार

'भारतीय संस्कृति को जीवंत करने का अनूठा कार्यक्रम है कन्हैया दंगल'

गंगापुर सिटी । ग्राम सहजपुर में युवा टीम द्वारा आयोजित विशाल कन्हैया दंगल का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गायक पार्टी द्वारा प्रस्तुत भजनों और देशभक्ति गीतों से हुआ। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया और वातावरण को आध्यात्मिक एवं राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा से भर दिया। भजनों की मधुर ध्वनि और देशभक्ति गीतों की प्रेरक पंक्तियों ने श्रोताओं के हृदय में गहरी छाप छोडी। मानसिंह गुर्जर ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। ग्रामीण समाज में एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। युवा टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सहजपुर ग्राम के युवाओं ने जिस समर्पण और उत्साह के साथ इस दंगल का आयोजन किया है, वह अनुकरणीय है। ग्रामवासियों द्वारा किए गए स्नेहपूर्ण स्वागत से आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई। इस अवसर पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि रघुनाथ, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि रामभरोशी वैष्णव, शिवचरण मीना, बदन सिंह अधिशासी अभियंता, शफीपुरा सरपंच अभिषेक मीना, मुकेश सिराधना, पूर्व सरपंच इंद्र गुर्जर, विक्रम फिराशपुर आदि बड़ी संख्या में पंच पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीणजन, और विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

स्वास्थ्यकर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

करौली । एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के अंतर्गत इंटीठोटेड हेल्थ इन्फॉर्मेशन प्लेटफार्म का एक दिवसीय प्रशिक्षण स्थानीय पैलेस में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में एएनएम, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सीएचसी-पीएचसी, लैब टेक्नीशियन एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने भाग लिया। सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीणा ने बताया कि आईएचआईपी एक रीयल-टाइम इलेक्ट्रॉनिक सूचना प्रणाली है, जो भारत सरकार के ई-गवर्नेंस मानकों के अनुरूप रोग प्रकोप की निगरानी एवं संसाधन प्रबंधन में सहायक है। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. ओमप्रकाश महावर ने आईडीएसपी के अंतर्गत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों, एक्टिव एवं पेसिव सर्विलांस तथा काउंसलिंग प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षक अंकुर सिंघल ने एंटी-लार्वल, एंटी-एडल्ट एवं सोर्स रिडक्शन गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर बल दिया। डीईओ राजेश जैन ने लैब जांच, मौसमी बीमारियों एवं ओपीडी रिपोर्टिंग की ऑनलाइन प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया।

हमीद अंसारी खान मेवाती का अभिनंदन आज

गंगापुर सिटी । भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद अंसारी खान मेवाती रविवार को महुआ से जयपुर जाते समय गंगापुर सिटी जयपुर बाईपास स्थित होटल द पर्ल में दोपहर 2 बजे अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारीयो सहित उपस्थित समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत अभिनंदन किया जाएगा।

नई अनाज मंडी में किसानों का हंगामा

गंगापुर सिटी । नई अनाज मंडी में शनिवार को उपज के सही दाम नहीं मिलने से नाराज किसानों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए दोपहर करीब 12 बजे मंडी के मुख्य गेट को बंद कर नारेबाजी की, जिससे मंडी का कारोबार डेढ़ घंटे तक ठप रहा। इस दौरान मंडी के बाहर सड़क पर जाम लग गया और आवागमन बाधित रहा। रबि सीजन की कटाई के बाद मंडी में सरसों की आवक तेज हो चुकी है। किसानों का आरोप है कि नीलामी के दौरान उनकी उपज के कम दाम लगाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकृत व्यापारियों की बजाय अनाधिकृत कमीशन एजेंट नीलामी में बोली लगाते हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाती है और किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। इसके बाद मंडी समिति सचिव ममता गुप्ता की मौजूदगी में किसानों और व्यापारियों के बीच एक बैठक हुई। बैठक में किसानों ने आरोप लगाया कि नीलामी के बाद माल की तुरंत तुलाई नहीं होती, जिससे उपज पड़ी रहती है और उन्हें आर्थिक नुकसान होता है। किसानों ने यह भी कहा कि भरतपुर सहित अन्य मंडियों में सरसों के भाव अधिक हैं, जबकि गंगापुर सिटी मंडी में जानबूझकर कम बोली लगाई जा रही है। व्यापारियों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि मंडी में आ रही सरसों गीली है और उसमें नमी की मात्रा अधिक है। नमी ज्यादा होने के कारण लैब जांच और मशीनों में दिक्कत आती है, जिससे उपज के दाम कम बन रहे हैं। व्यापारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि नीलामी पूरी तरह से ऑक्शन प्रक्रिया से हो रही है और गुणवत्ता के अनुसार ही दाम तय किए जा रहे हैं। काफी देर तक चली बहस के बाद मंडी समिति सचिव ने समाधान के तौर पर किसानों से उनकी राय मांगी। इस पर किसानों ने मॉश्चर मीटर लगाकर पारदर्शी तरीके से नीलामी कराने, भरतपुर मंडी के भावों को ध्यान में रखते हुए बोली शुरू करने और उसी दिन माल की तुलाई कराने की मांग रखी। चर्चा के बाद दोनों पक्ष मोश्चर मीटर से नीलामी और तत्काल तुलाई पर सहमत हो गए। सहमति बनने के बाद पुलिस की समझाइश से मंडी का गेट खुलवाया गया और जाम हटाया गया। इसके बाद नीलामी प्रक्रिया दोबारा शुरू हुई और मंडी में कारोबार बहाल हो सका।

मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया

भरतपुर (निस)। उच्च प्राथमिक आदर्श विद्या मंदिर पुराना बयाना बस स्टैंड भरतपुर में मातृ पितृ पूजन दिवस बड़े हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। जिसमें सभी भैया बहनों के माता-पितादादी नानी का तिलक लगाकर माला पहन कर पूजन किया गया। मातृ- पितृ पूजन में लगभग 25 अभिभावक उपस्थित रहे।

विवाधक के स्थरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय उपजिला कलेक्टर साहब, स्थान-हिण्डौन सिटी

रामजीलाल विरुद्ध अरूण वगै.

दावा बाबत तकास्मा, इंद्राज दुरुस्ती व स्थायी निषेधाज्ञा

वाद संख्या-110 सन्-2023

बनाम 1. अरूण पुत्र घनश्याम 2. उदयवीर पुत्र समय सिंह 3. ओमप्रकाश पुत्र रामचरण 4. कमलेश पत्नी घनश्याम 5. कुम्हेर सिंह पुत्र विजेन्द्र सिंह 6. गजराज सिंह पुत्र शिवचरण 7. गुमान पुत्र बाबू 8. गोपाल पुत्र सांवलिया 9. गोविन्द सिंह पुत्र चिरंजी 10. चन्दे पुत्र जीतमल 11. चरणसिंह पुत्र चौथी 12. ज्ञानसिंह पुत्र चौथी 13. दरब सिंह पुत्र विजेन्द्र सिंह 14. दुलारी पुत्री अमरसिंह 15. दामोदर पुत्र टीकम 16. दिनेश पुत्र अजमत 17. नटवर सिंह पुत्र समय सिंह 18. प्रेमसिंह पुत्र चौथी 19. पुष्पा पुत्री पातरिया 20. बच्चूसिंह पुत्र हरमुख 21. बबलू सिंह पुत्र रामचरण 22. मुकेश पुत्र भंवर सिंह 23. मनीष पुत्र राजवीर 24. महाराज सिंह पुत्र बृजमोहन 25. मिथलेश पुत्री रामचरण 26. यदुवीर पुत्र रामचरण 27. रतन सिंह पुत्र टीकम 28. रतना पुत्र बृजमोहन 29. रती सिंह पुत्र भंवर सिंह 30. रूपसिंह पुत्र शिवचरण 31. रम्भूली पत्नी देवीसिंह 32. रवि पुत्र वृन्दावन 33. राखी पुत्री राजवीर 34. राजू पुत्र देवीसिंह 35. रामबाबू पुत्र विजेन्द्र सिंह 36. रामवीर पुत्र छोटू 37. रामेश्वर पुत्र बाबू 38. रीता पुत्री बृजमोहन 39. रीना पुत्री बृजमोहन 40. लक्ष्मण पुत्र रामजीलाल 41. लक्ष्मी पत्नी वृन्दावन 42. लखन पुत्र जीतमल 43. लच्छो पुत्री भंवर सिंह 44. लाखन पुत्र घनश्याम 45. विजय पुत्र विजेन्द्र सिंह 46. विजय सिंह पुत्र अमरसिंह 47 विमलेश पुत्री अमरसिंह 48. वीरेन्द्र सिंह पुत्र अमरसिंह 49. वीर सिंह पुत्र पातरिया 50. शिवदेई पुत्री बाबू 51. संध्या पुत्री देवीसिंह 52. संतरा पुत्री चौथी 53. सुफेदी पत्नी रामचरण 54. सुमन पुत्री देवीसिंह 55. सुरेन्द्र सिंह पुत्र रामचरण 56. सुवरन सिंह पुत्र अजमत 57. सबोदरा पत्नी राजवीर 58. सीता पुत्री पातरिया 59. हरप्यारी पत्नी रतन सिंह 60. हंसा पुत्री घनश्याम 61. मोहन पुत्र कंचन 62. सुरेश पुत्र कंचन 63. राजेन्द्र पुत्र किशनलाल 64. वीरेन्द्र पुत्र किशनलाल 65. प्यार सिंह पुत्र किशोरी 66. मानसिंह पुत्र घमंडी 67. मुरारी पुत्र घमंडी 68. बीरबल पुत्र जवाहर 69. मुनीम पुत्र जवाहर 70. निरंजन पुत्र स्व. जसवंत 71. महेन्द्र पुत्र स्व. जसवंत 72. हेमराज पुत्र स्व. जसवंत 73. राजेश पुत्र तेजसिंह 74. अशोक पुत्र कल्याण 75. कमलेश पुत्री कल्याण 76. चन्द्रकला पत्नी कल्याण 77. जीतेन्द्र पुत्र कल्याण 78. धर्मेन्द्र पुत्र कल्याण 79. मुकेश पुत्र कल्याण 80. मंसूरी पुत्री घमंडी 81. महादेवी पत्नी महेन्द्र सिंह 82. मिथलेश पुत्री कल्याण 83. राधे पुत्र घमंडी 84. तारा देवी पत्नी समय सिंह 85. जगदीश पुत्र हरमुख 86. सूरज पुत्र हरमुख 87. दीपक पुत्र रमेश 88. अवधेश पुत्र रमेश 89. रवि पुत्र नाहर सिंह 90. संजय पुत्र नाहर सिंह 91. अशोक पुत्र समन्दर सिंह 92. भोला पुत्र समन्दर सिंह, जातियान सभी जाट, निवासियान क्यारदा कलां, तहसील हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.) 93. देवीसिंह पुत्र परमा, जाति जाटव, निवासी पट्टी नारायणपुर, क्यारदा कलां, तहसील हिण्डौन सिटी, जिला करौली 94. जगदीश पुत्र कन्हैया 95. ओमी पुत्र कन्हैया 96. रूपसिंह पुत्र कन्हैया 97. कैलाश पुत्र रमेश 98. पवन उर्फ पिंटू पुत्र रमेश 99. विजय कुमार पुत्र नत्थीलाल, जातियान सभी खटीक, निवासियान क्यारदा कलां, तहसील हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.)।

वादी ने आपके विरुद्ध कृषि भूमि का बंटवारा के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 27 माह 2 सन् 2026 को दिन में 10 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिए उप संजात (हाजिर) के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है. तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उप संजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता012 माह 02 सन् 2026 का मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

न्यायालय उपखंड अधिकारी
हिंडौन सिटी, जिला करौली